न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948

प्रस्तावना

आर्थिक या अन्य अयोग्यताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय प्राप्त करने से वंचित नहीं किया जा सकता। समाज के प्रत्येक कमजोर वर्ग को मुफ्त एवं उचित कानूनी सेवाऐं प्रदान करने के लिए विधिक सेवाऐं प्राधिकरण अधिनियम, 1987 बनाया गया है, जिसके अन्तर्गत राज्य विधिक सेवाऐं प्राधिकरण का गठन किया गया है। न्याय केवल न्यायालयों में लंबित वादों तक सीमित नहीं है। कानूनी जागरूकता व साक्षरता, विधिक सहायता के स्तम्भ है। हरियाणा राज्य विधिक सेवाऐं प्राधिकरण (हालसा) कानूनी जागरूकरता व साक्षरता के लिए प्रयासरत है। हालसा द्वारा राज्य के विभिन्न गांवों में विधिक सहायता क्लीनिक स्थापित किये गये हैं, जिनमें पराविधिक स्वयं सेवक व पैनल के वकील विधिक सहायता प्रदान करते हैं। इसके ईलावा हालसा द्वारा कानूनी जागरूकता व साक्षरता अभियान चलाया हुआ है। आम लोगों तक कानूनी ज्ञान पहुंचाने के लिए हालसा द्वारा सरल भाषा में विभिन्न विषयों पर पुस्तिकाऐं छपवाई गई हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति कानूनी ज्ञान से वंचित न रह सके व अपने कानूनी अधिकारों का प्रयोग कर सके। यह पुस्तिका उन्ही मे से एक है। अब तक हालसा 1,35,000 कानूनी ज्ञान की पुस्तिकाऐं आम लोगों में बंटवा चुका है। इसी अभियान को आगे बढाते हुये अब हालसा 27,00,000 सरल भाषा में कानूनी ज्ञान की पुस्तिकायें छपवा कर ग्रामीण व मलिन बस्तियों के लोगों को कानूनी अधिकारों बारे जागरूक करने जा रहा है। आशा है कि यह पुस्तिका आप सब के लिए उपयोगी होगी व आपके कानूनी ज्ञान के लिए मार्गदर्शिका बनेगी।

दिनांकः1.1.2012

(दीपक गुप्ता)
सदस्य सचिव

प्र.1 वह कौन-कौन से काम हैं जो इस अधिनियम पर लागू होते हैं, क्या यह अधिनियम मजदूरी की न्यूनतम 'रेट' (दर) सभी कार्यों के लिए निर्धारित करने का प्रयास करता है?

उ. जी नहीं। इस अधिनियम का उद्देश्य केवल श्रमिकों के उस गैर-विशेषाधिकार वर्ग का संरक्षण करना है - जो असंगठित, कमजोर और शोषण के पात्र बनाये जाते रहे हैं। अतः अधिनियम में ऐसी अनुसूचियां बनायी गयी हैं जो भाग 1 व 2 में कुछ नौकरियों व कार्यों की सूचियां प्रदर्शित करती हैं, और केवल यही कार्य या नियोजन अधिनियम के द्वारा नियंत्रित किये जाते हैं।

प्र.2 क्या सेवायों, कार्यों की यह सूची स्थायी है?

उ. जी नहीं, यह सूची स्थायी नहीं है- परन्तु उचित सरकार के माध्यम से इसमें आगे कुछ अन्य सेवायें भी जोड़ी जा सकती हैं। अधिनियम की धारा 27 के द्वारा इस तरह की शक्ति उचित सरकारों के हाथ में सौंपी गयी है। न्यूनतम मजदूरी देने के सम्बन्ध में यदि सरकार की इच्छा किसी सरकार की इच्छा किसी काम विशेष को अधिनियम में दी गयी सूचियों में सम्मिलित करने की होती है तो उसे अपनी इस इच्छा का प्रकाशन सरकारी घोषणा पत्र (गजट) में करना पड़ता है। इसके पश्चात् तीन महीनों में अधिनियम की सूची में संशोधन किया समझा जायेगा।

प्र.4 न्यूनतम मजदूरी का क्या अर्थ है ?

उ. न्यूनतम मजदूरी का मतलब केवल जीवन मूलभूत आवश्यकताओं का पूरा हो जाना ही नहीं है और केवल भूखमरी से ऊपर उठकर सांस लेना ही नहीं है-अपितु न्यूनतम मजदूरी ऐसी होनी चाहिए जो केवल मजदूर व उसके परिवार का निर्वहन ही न करे परन्तु एक कामगार के रूप में कार्य करने की उसकी कुशलता की भी रक्षा करे। इसमें उसकी चिकित्सकीय आवश्यकता, पर्याप्त विश्राम और जीवन का एक सम्मानजनक स्तर भी सम्मिलित किया जायेगा।

न्यूनतम मजदूरी निश्चित करने की प्रक्रिया

प्र.5 इस अधिनियम के तहत न्यूनतम वेतन कैसे निश्चित किया जाता है?

उ. केन्द्रीय व प्रादेशिक सरकारें, जैसी भी स्थिति हो यह निम्नलिखित आधारों पर निशिचित कर सकती हैं :

(1) मौलिक-मूल्य और जीवन-स्तर का मूल्यांकित भत्ता, अथवा

(2) यह मौलिक दर पर भी निश्चित कर सकती है जिसमें जीवित रहने के भत्ते को सम्मिलित या असम्मिलित किया जा सकता है-और किसी अन्य आवश्यक वस्तुओं का क्रय मूल्य भी जोड़ा जा सकता है जो रियायती दरों पर उपलब्ध करायी जा सकती हैं, या

(3) यह सभी अन्य दरों को सम्मिलित करके भी निश्चित की जा सकती है जिसमें प्रारम्भिक मूल्य, जीवित रहने के मूल्यों का भत्ता और किसी भी रियायतों का नकद मूल्य जो किसी आवश्यक वस्तुओं के संदर्भ में दिया जा सकता है, सम्मिलित हो सकती है।

प्र.6 न्यूनतम मजदूरी को निश्चित करने तथा उसको पुनर्निरीक्षण करने के लिए किस प्रकार की प्रक्रिया अपनायी जाती है।

उ. यहां पर प्रक्रिया एक में सरकार समितियों और उपसमितियों की सलाह पर गौर करेगी - और देखेगी कि क्या सभी पक्षों का प्रतिनिधित्व इस सम्बन्ध में हुआ - जो इस प्रस्ताव से प्रभावित है और फिर उस पर विचार करेगी। इस प्रक्रिया के उपरान्त ही न्यूनतम-मजदूरी की दर को निश्चित या परिवर्तित किया जा सकेगा। फिर भी, जब कभी भी सरकार न्यूनतम मजदूरी की दर को द्वितीय रीति से परिवर्द्धित करनेबा प्रस्ताव करती है तो इसे सलाह लेनी पड़ती है।

प्र.7 सलाहकार परिषद् के क्या कार्य हैं?

उ. यह समुचित सरकार के द्वारा गठित की गयी समितियों और उपसमितियों से अवगत कराती है जैसे जीवन-स्तर का मूल्य, मूल्य-सूचिकांक, कार्य की कठिनता, उद्योग-धंधों की वास्तविक आर्थिक

स्थिति इत्यादि जो न्यूनतम मजदूरी को निश्चित करने के लिए तथा उन्हें परिवर्द्धित करने के लिए महत्वपूर्ण तथ्य होते हैं।

प्र.8 किस प्रकार से समितियां और उपसमितियां तथा सलाहकार परिषद् का गठन किया जाता है?

उ. इनमें सरकार द्वारा नियुक्त किसी एक व्यक्ति का प्रतिनिधि, समान संख्या में श्रमिकों व नियोजकों के प्रतिनिधि और कुछ स्वतन्त्र व्यक्तियों को भी सम्मिलित किया जाता है। इस प्रकार से स्वतन्त्र सदस्यों की संख्या समितियों और उपसमितियों की सम्पूर्ण संख्या के एक तिहाई से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इनमें से एक स्वतन्त्र सदस्य को सभापति बनाया जाता है।

प्र.9 केन्द्रीय सलाहकार परिषद् क्या है और इसका संविधान क्या है?

उ. इस अधिनियम की धारा 8 में बताया गया है कि किस प्रकार से एक केन्द्रीय सलाहकार परिषद् गठित की जाती है। यह संकाय केन्द्र व राज्य सरकारों को न्यूनतम वेतन निश्चित करने के मामले में सलाह देती है और सलाहकार परिषद् के कार्यों के मध्य भी समन्वय स्थापित करती है। केन्द्रीय सलाहकार परिषद् में केन्द्र सरकार नामांकित प्रतिनिधि, अनूसूचित कार्य को प्रतिनिधित्व करने वाले श्रमिकों व नियोजकों के प्रतिनिधि और स्वतन्त्र सदस्यों को मिला कर गठित किया जाता है, जिनकी कुल संख्या के एक तिहाई से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इन्हीं स्वतन्त्र सदस्यों में से एक सदस्य को सभापति नियुक्त किया जाता है।

नियोजक की न्यूनतम मजदूरी अदा करने की क्षमता : असंवद्ध प्रश्न

प्र.10 क्या यह आवश्यक है कि जब न्यूनतम मजदूरी की दर निश्चित की जा रही हो उस समय नियोजक की मजदूरी अदा करने की क्षमता को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए?

उ. जी नहीं।

vkt tk LFkkfir dkuu g& og dgrk g fd fu;ktd dk U;ure etnjh vnk djuh pkfg, ftldk u nu dh fLFkfr e ml bl vf/kfu;e d rgr nf.Mr fd;k tk ldrk gA

i.11 D;k etnjh dk lkekuk ;k oLr|vk d :i e vnk fd;k tk ldrk g

m. lkekU; :lk l U;ure etnjh dk Hkxrku ge'kk udn :lk;k e fd;k tk,xk] ijUr tgk ij dkb iFkk bl idkj l ipfyr g ftle udn d LFkku ij Hkxrku ;k rk vkf'kd ;k i.k :i l oLr|vk o lkekuk e fd;k tkrk g] rc ljdkj viu ljdkjh ?kk"k.kk i= e ,d vf/klpuk tkjh djs] bl idkj dh fjfr & iFkk dk pyr jgu nu d fy, vf/kdr Lohdfr n nrh g lefpr ljdkj Hkh mfpr ekeyk e ljdkjh ?kk"k.kki= e vf/klpuk tkjh djd ;k vf/kdr dj ldrh g fd dN fo'k"k vko';d oLr, Jfedk dk fj;k;rh njk ij miyC/k djkoA

U;ure etnjh e D;k lfEeyfyr fd;k tkrk g

i.12 etnjh 'kCn e fdu&fdu phtk dk lfeJ.k fd;k tkrk g

m. lkekU;r etnjh e o lHkh oru lfEefyr dj fy; tkr g tk :l;k d eY; d cjkcj lfEefyr gkr g] ftle edku d fdjk; gr fn;k tku okyk HkRrk Hkh lfEefyr gkrk g& ftldk Hkxrku fd;k tk ldrk gA ijUr ble fuEufyf[kr ckrk dk lfEefyr ugh fd;k tk,xk&

¼x½ [knkuk] ry d d|vk ;k e[; cnjxkgk ;k

1. bue l fdlh dk Hkh eY;&

d- tk edku e jgu] fo|r&vkifr] ikuh] MkDVjh lgk;rk& vkj

[k- nljh vU; dkb lok, ;k lfo/kk,] fo'k"k:lk l tk ljdkj }kjk ugh nh tkrh g] lfEefyr ugh fd; tk ldr gA

2. fu;kstd ds }kjk fn;k x;k dkbl Hkh vuqnku tks fdlh Hkh iz'ku dk"k vFkok Hkfo"; fuf/k vFkok lkekftd&chek dh fdlh vU; nsljh ;kstukvks ez fn;k tkrk gSA

3. dkbl Hkh ;k=k HkRrk ;kfu Vh-,- vFkok fdlh Hkh ;k=k lEcz/kh fj;kr dk eYy;A

4. dkbl Hkh /kujkf'k tks Jfed dks fo'k"k [kpks dks iqjk djus ds fy, nh tkrh gS tks mlds dk;l dh izdfro'k mRiUu gqbl gSA

5. lsok eqDr gksus ij nh x;h dkbl Hkh vuqnku&jkf'k ;kfu xzP;fVA

dk;l ds ?kVks dk fu/kkj.k

iz.13 fdlh lkekU; dk;l ds fnu] dke djus ds ?kVks dk fu/kkj.k djus ds lEcz/k ez ljdkj dh D;k 'kfDr;k gS

m. ljdkjz] pkgs os dsUnz Lrj dh gks ;k jkT; dh ljdkjz] os dk;l djus ds ?kVks dks fuf'pr dj ldrh gS& tks ,d lkekU; dk;l fnu dks cuk;zxh& ijUrq bl izdkj dk lkekU; dk;l fnu ,d ;k nks foJke ;k e/;kUrj dk vodk'k vo'; j[ks] ;g /;ku ez j[kuk pkfg,A

izR;sd lkr fnuks ez ls ,d foJke dk fnu ljdkj fuf'pr djsxh& vkj bl izdkj dk foJke fnu Hkh ,d fnu ,d iqjk dk;l&fnu ekudj rc lfEefyr dj fy;k tkrk gS tc Hkqxrku djus ds le; bl dk;l fnuks dks fxuk tkrk gSA

tc dHkh Hkh dkbl dezpkjh vkjke ds fnuks ez dke djrk gS rks mls vfrfjDr le; ds fd;s x;s dke dk tks Hkqxrku feyrk gS & mlez de nj ij dkbl Hkqxrku ugh djuk pkfg,A

vfrfjDr dk;l (vkoj Vkbe)

iz.14 vkoj Vkbe ls lEcaf/kr D;k izko/kku gS

m. dkbZ Hkh Jfed tks lkekU; dk;l ds ?kaVksa ds vfrfjDr Hkh dk;l djrk gS] mls viuh izR;sd ?kaVk vf/kd dke djus dk Hkqxrku ,d vyx izdkj ls fo'k"k nj ls fn;k tk;sxk] ftls **vkoj Vkbe** nj ds uke ls tkuk tkrk gS& vkSj ftls lefpr ljdkj fuf'pr djrh gS

iz.15 mls Jfed ds fo"k; esa D;k fd;k tk ldrk gS tks fd lkekU; dk;Zfnu dh rqyuk esa de dk;l djrk gS

m. mls Jfed dks mu fnuksa dk Hkh izkIr osru fn;k tk,xk&tc os de ?kaVksa dk dk;l djrs gSa] tc fd lkekU; dk;l fnu dh rqyuk esa mUgsa T;knk dke djuk pkfg,& blds fuEufyf[kr vioknksa Hkh gSa&

d- tc dkbZ Hkh Jfed fufn"V dke ds ?kaVksa dh rqyuk esa de dk;l djrk gS& D;ksafd dk;l ds izfr mldh vfu{kk gksrh gS& ;|fi fu;ksDrk ds }kjk mls dk;l djus dk vkns'k fn;k tkrk gS]

[k- nwljs vU; leLr ekeyksa esa] tks fd fo'k"k:i ls fufn"V gS] ;k rks lefpr ljdkjksa }kjk ;k fd bl vf/kfu;e ds izko/kkuksa dks /;ku esa j[krs gq, cuk;h x;h lfonk&

Tkgks dgha Hkh U;wure etnwjh fd;s x;s dk;l ds vuqlkj Hkqxrku dh tkrh gS] ogks bl cvkr dk /;ku j[kuk pkfg, fd mls U;wure le; nj ls de ugha gksuh pkfg, tks fd lefpr ljdkj }kjk cuk;k x;k gS A

^^Ykkx dju d mik;**

i.16 vf/kfu;e d rgr ,l dku l mik; crk; x; g ftud vk/kkj ij vf/kfu;e d mic/kk dk ikyu djk;k tkrk g\

m. vf/kfu;e ;g Li"V djrk g fd fdlh Hkh vulfpr dk; dk iR;d fu;ktd mfpr fjdkM vkj jftLVj cuk; ftle Jfedk dk fooj.k ektn gk] mud }kjk dk;kfUor fd; g, dk; gk] ftruh etnjh mu dk Hkxrku e nh x;h gk mldk fooj.k vkj mudk tk jlhn inku dh tkrh gk mldk fooj.k ektn gk A bl idkj d ftru Hkh jftLVj vkj fjdkM gkr g tkp&iMrky d fy, [ky gku pkfg,A ftudk fujh{k.k Jfed vkj lefpor ljdkjk d }kjk fu;Dr bLiDVj ¼fujh{kd½ dj ldA

bl idkj d fujh{kd fdlh Hkh dk; LFky e io'k dj ldr g vkj fdlh Hkh vkfpR;i.k ;k egRoi.k fjdkM vFkok jftLVj dh tkp dj ldr g ;k fQj mUg tCr dj ldr g vkj ml vulfpr dk; d lEc/k e fdlh Hkj 0;fDr l i'ukfn Hkh iN ldr gA ;g vf/kfu;e d fdlh Hkh iko/kku d mYy?ku gku dh luok;h dh 0;oLFkk dj ldrh gA ;g vkx iukYVh vkj nM d iko/kku d fo"k; e Hkh crkrh g tk vf/kfu;e d mic/kk dk u eku tku dh n'kk e fn;k tk ldrk g A

nkok ;kfpdkvk ij fu.k; djuk

i.17 Jfedk d }kjk cuk; x; bl idkj d nkok ij dl fu.k; fn;k tkrk g\

m. iHkkfor Jfed ;k rk Lo; 0;fDrxr :Ik l viuh vyx l n[kkLr n ldrk g ;k lkefgd :Ik l vFkok lefpr ljdkj }kjk fu;Dr vf/kdkjh d le{k viuk ifrfuf/kRo dj ldrk g& tk bl idkj d nkok dk luxkA bl idkj d nko fuEufyf[kr n'kkvk e mRiUu gk ldr g&

d- fu;ktd d }kjk fuf'pr U;ure oru l de jkf'k dk Hkxrku fd;k tkuk] vFkok

[k- lkekU; dk; vof/k dk r; djr le;] dkb vkoj Vkbe dk; dh nj vFkok foJke d fnuk l lEcf/kr Hkxrku dk i'u fufgr gk ldrk gA

bl idkj d vkonu lefpr ljdkj }kjk fu;Dr vf/kdkjh d le{k] ftl fnu l Hkxrku jkf'k dk nkok ckdh jg tkrk g& ml N eghuk d vUnj fd;k tkuk pkfg,A fQj Hkh] ;fn bl vof/k d vfrfjDr Hkh dkb vU; foYkECk gkrk g rk] lefpr fu;Dr vf/kdkjh mldk mfpr dkj.k jgu ij {kek ;k de dj ldrk gA vkonu ij Qlyk nkuk i{kk dk luu d i'pkr gh fd; tk ldrk g& vkj ;fn vko';d gvk rk bl ij vkx Hkh tkp iMrky dh tk ldrh gA ;gk vf/kdkjh ;g funi'k n ldr g fd evkot dh jkf'k dk Hkxrku fu;ktd }kjk dh x;h xyrh l 10 xuk l T;knk ugh gk ldrk] vFkkr ;fn fu;ktd fdlh fo'k"k vof/k d nkjku 10 :Ik;k U;ure oru l de nrk g rk ml 1000 :I; vf/kdre jkf'k d :Ik e Hkxrku dju d fy, funf'kr fd;k tk ldrk g tk fd ml vof/k dk evkoyk gh gkxkA vf/kdkjh dk ;g foodkf/kdkj fdlh Hkh vkfFkd nM nu d fy, ck/kk ugh mRiUu djxk ftld fy, xyrh dju okyk fu;ktu bl vf/kfu;e d rgr mRrjn;h gkrk gA

ltk (Penalty)

i.18 xyrh dju okyk fu;ktd d fo:) D;k ltk crk;h x;h g

m. U;ure etnjh dk Hkxrku u dju ij vFkok dke dju d ?kVk d fu;ek dk mYy?ku dju d fy, ml fu;ktd dk vf/kdrd**6** eghu dn dh ltk gk ldrh g& vFkok tekuk ftldh vf/kdre lhek 500 :Ik; g fd;k tk ldrk g] vFkok ; nkuk gh ltk, fo'k"k ifjfLFkfr;k e ,d lkFk nh tk ldrh gA bl rjg dk dkb tekuk **iukYVh** d :Ik e yxk; tku ij U;k;ky; viuk fu.k; nr le; ml jkf'k d mij xkj

djxh ftl fu;fDr vf/kdkjh d vkn'k }kjk fu;ktd dk e|vkot d :lk e Hkjuk iMrk gA

¼n[k i'u 17 dk fn;k x;k mrj½

nlj vU; lk/kkj.k tk bl vf/kfu;e e crk;s x;s g mudk mYy?ku dju ij vf/kdre 500 :i;s dk tekuk yxk;k tk ldrk g& ble o fo'k"k vijk/k lfEefyr ugh fd;s x;s g ftudk mYy[k ge mij dj pd g A

i. fdl idkj ls U;k;ky; fdlh fu;ktd d fo:) f'kdk;r d ukfVl dk Lohdkj dj dk;l djxa

m. tgk dgh Hkh fu;ktd U;ure etnjh ls de oru nu dk nk"kh gkrk g rc nkok@vkonu] tlk fd Åij igy gh Li"V fd;k tk pdk g] lcls igy cuk;k tkuk pkfg, vkj iHkkfor Jfed U;k;ky; e rHkh tk ldrk g tc fd Jfed d i{k e vr'kr½ ;k i.kr½ bl ekey dk Qlyk ugh gk ldrk gA U;k;ky; e vihy dju ls igy mUg lefpr ljdkj dh vuefr bl mnn'; d fy, yuh iMrh gA

tgk dgh fu;ktd lkekU; dk;l d fnuk dk mYy?ku dju dk nk"kh g ¼vFkkr dk;l dju d ?kV½ rc ;k rk Lo;s fujh{kd d }kjk vFkok iHkkfor Jfed d }kjk bl lEc/k e dkb f'kdk;r Lo;s gh nt tk ldrh g& tgk Jfed f'kdk;r nt djrk g& ogk fujh{kd dh vuefr iklr djuk vko';d gk tkrk gA bl idkj dh fo'k"k f'kdk;r lefpr ljdkj ls vuefr iklr dju d ,d ekg d vUnj gh djuh pkfg,A tgk rd vf/kfu;e d vU; mic/kk d mYy?ku ls lEcf/kr lkekU; f'kdk;r g& ml mYy?ku gku dh frfFk d **6** ekl d vUnj vo'; gh djuk pkfg,A

tc dHkh Hkh fu;Dr vf/kdkjh d le{k bl vf/kfu;e d rgr nkok&ifØ;k py jgh gkrh g rc rd U;k;ky; e ckfd etnjh dh olyh d fy, dkb nkok&i= ;kfu okn&i= ugh yk;k tk ldrk g

i.20 bl vf/kfu;e d Bhd <x l ykx u gku d dkj.k D;k g

m. bl vf/kfuf;e d ikyu d fy,&

1. Lkefpr ljdkj dk iorlu rU= (Enforcement Machinary) dh LFkkiuk djuh pkfg,A

db jkT; ljdkjk u ;g lpuk nh g fd lefpr iorlu rU= dh deh d dkj.k vf/kfu;e dk ikyu ugh gk ik jgh gA

2. orleku fujh{k.k r= d ikl i;kIr lk/ku ugh gA

3. db jkT;k u U;ure etnjh tk fu/kkfjr dh xb g og cgr gh de gA

4. fu;ktdk u etnjk dk U;ure etnjh l de nu d db rjhd << fy, gA jkT; ljdkjk u Hkh bl vf/kfu;e dk mYy?ku dju oky fu;ktdk d f[kykQ dkb dk;okgh ugh dh gA

5. tc Hkh dkb etnjh 0;fDrxr :Ik l ;k etnjk d leg d :Ik e U;ure etnjh nj dh ikfIr d fy, f'kdk;r nt djkrk g rk fu;ktd mUg rjg&rjg d gFkdM viuk dj /kedkr g rFkk mUg >B d lk e Qlku dh /kedh nr gA

6. orleku vFk0;oLFkk o cjktxkjh d dkj.k delpkjh U;ure oru l Hkh de oru ij dke dju d fy, r;kj gk tkr gA

7. bl vf/kfu;e d mic/kk dk tkudkjh etnjk dk cgr gh de gA

8. f'kf{kr u gku d dkj.k o ukdjh dh lj{kk dh otg l etnj viuh etnjh d ukj e lgh tkudkjh ugh nrA

9. bl vf/kfu;e dk Bhd idkj l ykx u gku dk e[; dkj.k etnjk dh detkj lknckth dh 'kfDr gA

iı.21 bl vf/kfu;e dk ykxı djuı eı yıcj bLiDVj vkj etnıj lı?k (Trade Union) dh Hkfedk D;k gl

m. bl vf/kfu;e dk ikyu djkuı eı yıcj bLiDVj dh eı[; Hkfedk gA ijUrı yıcj] bLiDVj viuı nkf;Rok dk fuHkkuı eı vlQy jg gA cgır lkjı yıcj bLiDVj viuı mnnı'; dı ifr ifrc) ugh gA

db ykxk uı dkuu dk bLrıeky viuı Qk;nı dı fy, fd;k gA

lkefgd lkınckth vf/kdkjk dh ekx o bl vf/kfu;e dk ykxı djkuı dk lcl mfpr ek/;e gA

lkefgd lkınckth dı fy, vlıxfBr {k= dk ,dhdj.k etnıjk dh drO; fu"Bk vko';d gA

bl vf/kfu;e dk iHkko'kkyh <x lı ykxı djokuı dı fy, ;g vko';d g fd etnıj lı?kk dı inkf/kdkfj;k dk 'kkfey fd;k tk, tk u dıoy viuh ;fuVl eı yıcj dkuu dk ykxı djok,x cfYd mu {k=k lı vlxfBr {k= dı etnıjk dk uırRo djıxA tk mudı vk|kfxd ;fuVl dı utnhd gA

etnıjk dı fy, eı[; mik; lkefgd lkınckth gA etnıj lı?k dı inkf/kdkjh f'kf{kr] ifr'kf{kr gkuı pkfg, rFkk vlgk; deıpkfj;k dı fy, lkefgd dk;okgh dı }kjk dkuu dı ykHkk dk ikIr djuı dı fy, ifjr gkuı pkfg,A

etnıj lı?kk dı vkUnkyu dk etcır cukuk gkxkA mUg dkuuk eı Lfkkfir viuı vf/kdkjk dı fy, nckc Mkyuk gkxkA bl le; etnıj lı?k iı.k :i eı ljdkjk ij fuHkj gA etnıj lı?kk uı viuh Lok;rrk dk [kk fn;k gA

iı.22 dEifu;k dı }kjk vijk/kk dı djuı ij fLFkfr D;k gl

m. tc dkb dEiuh bl vf/kfu;e dı fdlh iko/kku dk nk"kh gkrk g rc og gj iR;d O;fDr tk dEiuh dı ekeyk dk nı[krk g&loı&lok g tk O;kikj nı[krk g] mlı nf.Mr fd;k tk ldrk gA

iz.23 D;k bl vf/kfu;e dk dkbl viokn Hkh gl

m. th gk] lefpr ljdkj bl fn'kk es fo'k"k mic/k cuk ldrh g] ft ld rgr fodyk x Jfedk dk mUefr inku dh tk ldrh g] vkj nljh vU; J.kh d Jfed tk fo'k"k dkj.ko'k gh lefpr ljdkj }kjk mUefDr;k ikIr dj ldr gA

bl vf/kfu;e dk ijk egRo nu d mnn'; l lefpr ljdkjk d }kjk vkj vf/kd iHkkodkjh vkj fo'k"k fu;e cuk; x; g vkj ,lk dkb Hkh dkuu tk fd dUn ljdkj d }kjk cuk;k tkrk g& mldk lln }kjk ikfjr fd;k tkuk vko';d gA

---000---